

Tenancy Act in Goa where the tiller is protected. Land from the landowner cannot be taken away. What do we do now? This law cannot be written off but we conveniently write off lease of green paddy fields. As per the Fifth amendment it has to go and the Government should take over it and give it to another tenant. What are the people doing there now? They destroy paddy field for real estate because it is a very good business, it is hot money, that is dollars. I want the Central Government's intervention.

I have said 'hot-money' because the apartments built here are purchased by the NRIs. The payment for them is made abroad. Madam, the Central Government should intervene because the State Government authorities are not doing anything in this regard. Madam when the judiciary intervenes, we say that there is judicial activism. It happens only when the Government machinery fails. (Time-bell) I request the Central Government to have a Central authority for the mining industry in Goa so that the judgment of the Supreme Court with regard to protecting the forest land is implemented. Thank you, Madam.

#### Need to Check the Erosion by the River Kosi in Bihar

**श्री जगदीश्वरी मंडल (बिहार):** उपसभापति महोदया, आप ने बोलने के लिए समय दिया, मैं आप के प्रति आभार प्रकट करता हूँ। महोदया, मैं आप के माध्यम से इस विशेष उल्लेख के द्वारा यह छोटा परंतु महत्वपूर्ण मामला उठाना चाहता हूँ।

महोदया, मैं यहाँ बिहार में कोसी नदी के कटाव के संबंध में चर्चा करना चाहता हूँ। उपसभापति महोदया, आप को मालूम है कि भारत सरकार ने नेपाल की सहायता से एक डैम बनाया था जिस का उद्देश्य बिजली उत्पादन था, जिस का उद्देश्य खेतों को पटाने के लिए नहर निकालना था और बाद में 142 किलोमीटर तक बांध बांध के बांध से बाहर गांव और झुग्गी झोपड़ियों के लोगों को बचाने का काम करना था, लेकिन जितना अपेक्षित काम होना चाहिए था उतना नहीं हो सका। महोदया, यह नदी नेपाल से चलती है और मांसी और सहरसा के बीच में जो रेलवे लाइन है, वहाँ आकर

बांध से मिल जाती है और उस के बाद कोसी नदी का बहाव एक सौ किलोमीटर दूर गंगा में जाकर मिल जाता है। मैं यह मेशन करना चाहता हूँ कि वही एक सौ किलोमीटर का वहाँ से बांध बांधकर कोसी को नियंत्रण में रखा गया है, उस के बाद कोसी को ऐसे ही छोड़ दिया गया है जिस का नतीजा यह है कि वहाँ कोसी नदी के किनारे एक सौ किलोमीटर की दूरी में अभी तक करीब-करीब दो दर्जन से अधिक बड़ी-बड़ी आबादी वाले गांव, कोसी नदी के पेट में चले गए हैं। करीब-करीब अभी तक एक लाख लोगों के घर नहीं के गर्भ में चले गए हैं जिस से यह लाख परिवार बेघर हो गए हैं। महोदया, आप को मालूम नहीं होगा मैं जहाँ की चर्चा कर रहा हूँ वहाँ की जमीन इतनी उर्वरक है कि एक हैक्टर में एक सौ क्विंटल मकई पैदा करती है, वह जमीन कट-कट कर के पानी में विलीन होती चली जा रही है और रेतमय होते जा रही है जहाँ कि कोई खेती नहीं हो सकती है।

उपसभापति महोदया, हम लोग जब बच्चे थे गंगा नदी शुरू-शुरू में मुश्किल से पांच सौ मीटर की धारा थी, लेकिन अब कटाव के कारण वह धारा, वह रिवर केव करीब-करीब दो किलोमीटर और कहीं-कहीं तीन किलोमीटर हो गयी है। इस तरह एक सौ किलोमीटर लंबी और दो-तीन किलोमीटर चौड़ी अर्थात् 300 किलोमीटर की उर्वरक जमीन अभी तक नदी के पेट में चली गयी है। किसान मजदूर के घर उस में उजड़ गए हैं। वहाँ के किसान मजदूर रोजी-रोटी के लिए जमीन जाने से, घर चले जाने से रोजी-रोटी की तलाश में यहाँ दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में आकर काम करते हैं।

आज तक मैं समझता हूँ, जैसा मैंने बताया दो दर्जन से अधिक गांव इसमें आते हैं। मैं इन गांव को भी गिना सकता हूँ, लेकिन उसमें वक्त लगेगा और मैं आपका ज्यादा वक्त नहीं लूंगा। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से और भारत सरकार में विशेषकर प्रधानमंत्री जी से गुजारिश करना चाहूंगा, जिनके बारे में कहा जाता है कि वह एक किसान के पुत्र हैं और मैं भी इस बात को समझता हूँ कि किसान के प्रति उनमें हमदर्दी है।

महोदया, मैंने ज्यादा कभी बोलने का प्रयास नहीं किया, लेकिन वहाँ किसान की हालत, गरीब की हालत को देखते हुए, जिसका घर चला गया, जिसकी झोपड़ी चली गई, जिसका खेत चला गया, जो मारे-मारे फिर रहे हैं रोजी रोटी की तलाश में, उनके बारे में मैं आपके माध्यम से माननीय श्री देवेगौड़ा जी, प्रधानमंत्री जी से आग्रह करूंगा कि आप उस किसान की हालत को देखें

और जो उसका घर और जो जमीन चली गई है, कम से कम ऐसे मजदूर किसान परिवार को उसके घर और जमीन का मुआवजा दें।

महोदया, मैं इतना ही कहकर, आपके माध्यम से भारत सरकार से गुजारिश करूंगा कि उसकी एक योजना बनाकर कोपरिया से लेकर कुरुसेरा तक, जहां कोसी नदी गंगा में मिलती है, उन गांव को तथा जो दूसरे गांव कटने वाले हैं, उनको बचाने की कोई सुव्यस्थित व्यवस्था की जाए। इतना ही कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

#### Harassment of Women in Delhi University Campus

PROF. (SHRIMATI) BHARATI RAY (West Bengal): Thank you, Madam Deputy Chairperson.

I would be very brief; not because it is getting late, but if I try to say all that I want to say, it would take one full hour.

Madam, without going into the details, I want to bring to the notice of the House the reports in various newspapers, especially, the 'Hindustan Time', about sexual harassment of girl students in one of our most prestigious institutions, namely, the University of Delhi.

As you know, Madam, it is difficult to imagine a time when womenfolk have not been subjected to some kind of a violence and harassment — physical and verbal. Even, the various forms of sexual jokes that one hears are so disgusting; at least, I do not find them at all amusing.

Already, women are being harassed on the roads, buses, trams and trains. This itself is, indeed, a very sorry state of affairs. On top of it, they are humiliated even in our educational institutions. Sexual harassment is really a way of telling the women to be in their place. It is designed to create an environment of fear. It is a display of power. It is a symbol of dominant-dominated relationship.

Madam, if our women cannot have security even in the university campuses, where would they go? Is not education a farce if the environment of education

spells humiliation, demoralisation and lack of self-confidence for women, when being subjected to this kind of harassment?

Through you, Madam, I would ask the Government to take very stern measures to ensure personal safety to our women; particularly, to the girl students in our various universities, as well as to the female teachers. I would ask the Government to take steps to prevent the harassment of women. I would also invite my male colleagues to join me by raising their voice against this. Thank you.

SHRI S.B. CHAVAN (Maharashtra): We all join you.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Everybody.

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar): Madam, I would just like to add a few words to what my sister, Shrimati Bharati Ray, has just now said.

This is really a shameful state of affairs. Not only that. We also find that the boys feel excited by whatever they see in the Zee TV, M TV, etc., and in other media.

They feel excited about it and the final result is that the girls suffer. Delhi University is a prestigious University. If something like this happens in the capital city of Delhi, in the Delhi University itself, where do we look for better education for women?

We want to have power sharing, equal political power, equal political rights. We have voting power, but our young girls, teenagers, go to college and they are sexually harassed. This is a shameful state of affairs. Thankfully, the HRD Minister is here. I would request him immediately to call a meeting of all the Vice-Chancellors and all the Departmental Heads of the Delhi University and other Universities and take immediate remedial measures.

Madam, it has also been reported in many cases, in Delhi University and other Universities that those doing post-